एफएसएनएल ने लगाया स्व–निर्मित सेनेटाईजेशन कॉरिडोर

भिलाई– कोविड–19 महामारी के फैलाव को रोकने की दिशा में एफएसएनएल द्वारा इस्पात मंत्रालय एवं स्थानीय प्रशासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप कई कारगर उपाय किए गए हैं, जिनमें ''बायोमेट्रिक उपस्थिति अंकन मशीन'' के प्रयोग का अस्थाई रूप से निषेध, कर्मचारियों को मास्क का वितरण, दैनंदिन उपयोग हेतु हैण्ड सेनेटाइजर उपलब्ध कराना, कार्यालय भवन में प्रवेश के समय थरमल स्कैनर से प्रत्येक कर्मचारी के शारीरिक तापमान का उपस्थिति रजिस्टर में अंकन, कार्यालय के दरवाजे, खिड़कियों की कुंडियों का समय–समय पर सेनेटाईजर से सफाई इत्यादि शामिल हैं। एफएसएनएल के प्रत्येक इकाई में हर पॉली के प्रारम्भ में प्रत्येक उपकरणों के केबिन, हैन्डिल इत्यादि को सेनेटाईज़ किया जाता है।

इसी कड़ी में एफएसएनएल के निगमन कार्यालय में संस्थान के प्रबंध निदेशक श्री राजीब भट्टाचार्य की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में संस्थान के कर्मचारियों द्वारा कार्यालय में उपलब्ध संसाधनों की सहायता से एक 'सेनेटाईजेशन कॉरिडोर' का निर्माण किया गया है, जिस पर कुल लागत मात्र रू. 3000/– आई।

इस कॉरिडोर में 6 फीट 8 इंच परिमाण के चार लोहे के एंगल को 4 फीट के अंतराल में नट – बोल्ट के जरिए जोड़ा गया है, और इसके दोंनों रफ मोटे प्लास्टिक का पर्दा लगाया गया है। कॉरिडोर के दोनों ओर टू–वे स्विच (Two-way switch) लगाए गए हैं। कारिडोर के भीतर पाईपों के जरिए इलेक्ट्रिक वाटर स्प्रिंक्लर सिस्टम लगाया गया है। सेनेटाईजेशन हेतु मशीन में एक रासायनिक घोल डाला जाता है, जो 15 लीटर पानी में 45 एमएल पोविडोन आयोडीन सोल्यूशन (बेटाडाईन) को मिलाकर बनाया जाता है।

निगमन कार्यालय के कर्मचारी कॉरिडोर के एक तरफ से कॉरिडोर के भीतर प्रवेश के समय स्विच ऑन करते हैं, जिससे कॉरिडोर में ऊपर लगे झरने के माध्यम से सेनेटाईजर का एक धुंध (Mist) निर्मित होता है। कॉरिडोर के इस धुंध से गुजरते हुए प्रत्येक कर्मचारी पर यह सेनेटाईजर पूरी तरह प्रवाहित होती है। कॉरीडोर से गुजरकर दूसरी ओर निकलकर कर्मचारी स्विच बंद कर देते हैं। इसी तरह प्रत्येक कर्मचारी कार्यालय में प्रवेश के पहले इस कॉरीडोर से गुजरकर अपने – आपको सेनेटाईज कर लेते हैं, जिससे कार्यालय में एक प्रदूषण रहित वातावरण कायम रहता है।

इस कॉरिडोर को एफएसएनएल भवन के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप रखा गया है, ताकि कर्मचारी आसानी से सेनेटाईज होकर कार्यालय में प्रवेश कर सकें।

प्रबंध निदेशक श्री राजीब भट्टाचार्य ने बताया कि लॉकडाउन नियमों का पालन करते हुए वर्तमान में केवल 50 प्रतिशत कर्मचारियों को कार्य पर बुलाया जा रहा है। लॉकडाउन अवधि की समाप्ति के पश्चात सोशियल डिस्टेन्सिंग को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों को कतार बनाकर निश्चित दूरी बनाते हुए इस कॉरिडोर से गुजरकर कार्यालय में प्रवेश करना होगा। उन्होंने बताया कि चूंकि सेनेटाईजेशन जीवन का एक अनिवार्य अंग है, यह प्रणाली एफएसएनएल में एक निरंतर प्रकिया होगी।